Seventeenth Loksabha

>

Title: Need to declare sohgibarwa wildlife sanctuary as Tiger reserve.

श्री पंकज चौधरी (महाराजगंज): धन्यवाद सभापति माहोदय, महाराजगंज में भारत-नेपाल अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर स्थित सोहगीबरवा वन्य जीव अभ्यारण्य को वर्ष 1987 में संरक्षित वन क्षेत्र घोषित किया गया था । इस वन क्षेत्र का विज्ञापित क्षेत्र 42820 हेक्टेयर है । इसके एक तरफ नेपाल का चितवन राष्ट्रीय पार्क स्थित है और दूसरी तरफ वाल्मीकि टाइगर रिजर्व है । कई छोटी-बड़ी नदियां इस क्षेत्र से होकर गुजरती हैं । वहां प्राकृतिक रूप से दो बड़े-बड़े ताल हैं, जिनमें एक दर्जीनिया ताल है । उसमें मगरमच्छ भारी मात्रा में वास करते हैं । इसके अंदर दो बड़े घास के मैदान भी हैं । इस जंगल में बाघ सहित अनेक प्रकार के मांसाहारी और शाकाहारी जानवर वास करते हैं । जैविक रूप से यह साल, सागौन, साखू, बेंत आदि पेड़-पौधों से भरा हुआ है । इस क्षेत्र में भगवान बुद्ध से संबंधित अनेक ऐतिहासिक स्थल मौजूद हैं । सरकार ने हाल ही में कुशीनगर को अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट बनाया है, जो इस क्षेत्र से 50 किलो मीटर दूर है । राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों को भगवान बुद्ध के ऐतिहासिक स्थलों के साथ-साथ दो टाइगर रिजर्व के माध्यम से पर्यटन का अवसर मिलेगा तथा स्थानीय लोगों को रोजगार मिलेगा ।

अत: मेरा केंद्र सरकार से अनुरोध है कि बाघों के लिए पूरी तरह से उपयुक्त सोहगीबरवा वन्य जीव संरक्षित क्षेत्र को टाइगर रिजर्व घोषित करने की कृपा करें ।